हिन्दी

अध्याय-6: पार नज़र के

SHIVOM CLASSES 8696608541

-जयंत विष्णु नार्लीकर

सारांश

यह कहानी मंगल ग्रह की है। इस कहानी के छोटू की कॉलोनी मंगल ग्रह पर जमीन के नीचे बनी हुई थी। छोटू के पापा हर रोज सुरंग से अपने काम को जाते थे। आम लोगों को उस रास्ते जाने की मनाही थी।

एक दिन पापा की छुट्टी होने पर छोटू ने पापा का सिक्योरिटी-पास हथिया लिया और चल दिया सुरंग की ओर। छोटू ने पास को दरवाजे के बने खाँचे में डाला तो दरवाजा खुल गया। सुरंगनुमा रास्ता ऊपर की ओर जा रहा था। छोटू को लगा जमीन के ऊपर सफर करने का उसे मौका मिल गया परन्तु उसके पहले ही छोटू के आगे बढ़ने पर निरीक्षक यंत्रों द्वारा वह पकड़ लिया गया। निरीक्षक यंत्र ने उसकी तस्वीर ले ली और खतरे की सूचना सिपाहियों को दे दी। छोटू को पकड़कर उसके घर ले आया गया। इधर छोटू की माँ उसका इंतजार कर रही थी। आज उसकी खैरियत न थी पर पापा द्वारा उसे बचा लिया गया।

पापा ने तब छोटू को बताया कि वह जमीन के ऊपर काम करते हैं। आम आदमी वहाँ के माहौल में नहीं रह सकता है इसलिए उन्हें वहाँ जाने की इजाजत नहीं है। एक खास किस्म के स्पेस सूट को पहनकर ही ऊपर जाया जा सकता है। उस स्पेस सूट में शरीर को ऑक्सीजन मिलता है, जूते भी कुछ खास किस्म के होते हैं और प्रशिक्षण प्राप्त होने पर ही वे वहाँ चल-फिर सकते हैं।

पापा ने उसे यह भी बताया कि पहले सब ग्रह वासी जमीन के ऊपर ही रहते थे वे भी बगैर किसी स्पेस सूट के परन्तु सूरज में परिवर्तन के कारण प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया। सभी पशु-पक्षी, पेड़ इसे सह नहीं पाए और धीरे-धीरे समाप्त हो गए। केवल उनके पूर्वजों ने इसका सामना किया और तकनीकी विकास से जमीन के नीचे घर बनाकर रहने लगे। धरती के ऊपर लगे विभिन्न यंत्रों द्वारा वे सूरज की रोशनी और गर्मी का इस्तेमाल करते हैं। और कुछ चुनिंदा लोग ही उन यंत्रों का ध्यान रखते हैं।

दूसरे दिन जब छोटू के पापा काम के लिए निकल रहे थे तो कम्पूटर से पता चला कि एक अंतरिक्ष यान मंगल ग्रह की ओर बढ़ रहा है और उसमें से एक यांत्रिक हाथ बाहर निकल

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

रहा है। कॉलोनी प्रबंध समिति की मीटिंग बुलाई गई। अध्यक्ष ने बताया की दो यान उनके ग्रह की ओर बढ़ रहे हैं। कॉलोनी की सुरक्षा की जिम्मेदारी नंबर 1 पर थी। उसने कहा कि उसके पास यान को समाप्त करने की क्षमता है परन्तु ऐसा करने पर उन्हें कोई जानकारी हासिल न होगी। नंबर 2 जो कि एक वैज्ञानिक थे नंबर 1 की बात से सहमत थे। उन्होंने कहा कि अगर हम यान को नष्ट करते हैं तो दूसरे ग्रहों के लोगों के बारे में जानकारी नहीं मिल पाएगी। नंबर 3 जो सामाजिक व्यवस्था का काम देखते थे उन्होंने कहा कि यदि दूसरे लोगों को हमारे बारे में पता चला तो हो सकता है कि आगे वे और भी अधिक सक्षम यंत्र भेजें। इतनी देर में उन्हें जानकारी मिली की यान धरती पर उतर चुका है।

उस दिन छोटू को उसके पापा अपने साथ कंट्रोल रूम में ले गए। पापा ने छोटू को एक कंसोल दिखाया जिस पर कई बटन थे। सब लोग स्क्रीन पर देख रहे थे परन्तु छोटू की नज़र तो उस कंसोल पर थी। छोटू ने कंसोल पर लगे लाल बटन को दबा दिया। खतरे की घंटी बजने लगी और सभी कंसोल की ओर देखने लगे। छोटू के पापा ने छोटू को एक थप्पड़ जड़ दिया और लाल बटन को पहले की तरह कर दिया। परन्तु तब तक लाल बटन ने अपना काम कर दिया था और यांत्रिक हाथ की गतिविधि रुक गई थी।

उधर नासा ने धरती पर अपना बयान जारी करते हुए कहा कि मंगल की धरती पर उतरा अंतरिक्ष यान का यांत्रिक हाथ बेकार हो गया है और उसके ठीक करने के प्रयास जारी हैं। इसके कुछ दिनों के बाद अखबारों में छपा कि रिमोट कंट्रोल से यांत्रिक हाथ को ठीक कर दिया गया है। उसने मंगल के मिट्टी के नमूने लेने शुरू कर दिए हैं। पृथ्वी की तरह मंगल पर भी जीव सृष्टि का अस्तित्व है पर आज भी यह एक रहस्य है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

NCERT SOLUTIONS

कहानी से प्रश्न (पृष्ठ संख्या 40)

प्रश्न 1 छोटू का परिवार कहाँ रहता था?

उत्तर- छोटू का परिवार मंगल ग्रह की धरती के नीचे बसी कालोनी में रहता था।

प्रश्न 2 छोटू को सुरंग में जाने की इजाज़त क्यों नहीं थी? पाठ के आधार पर लिखो।

उत्तर- सुरंग का रास्ता जमीन के ऊपर जाता था। वहाँ के वातावरण में आम आदमी बिना सुरक्षा उपकरणों के जीवित नहीं रह सकता था। इसके अतिरिक्त सुरंग में भी कई तरह के यंत्र लगे हुए थे। वहाँ केवल उन यंत्रों की देखभाल का काम करने वाले लोग जाते थे। यही कारण था कि छोटू को सुरंग में जाने की इजाजत नहीं थी।

प्रश्न 3 कंट्रोल रूम में जाकर छोटू ने क्या देखा और वहाँ उसने क्या हरकत की?

उत्तर- कंट्रोल रूम से छोटू को अंतरिक्ष यान क्रमांक एक साफ नजर आ रहा था। मगर उसका ध्यान उस कॉन्सोल पैनल पर था, जिस पर कई बटन लगे हुए थे। वहाँ लगे लाल बटन को छोटू दबाना चाहता था। अंततः वह अपनी इच्छा को नहीं रोक पाया ओर उसने लाल बटन दबा दिया। उसकी इस हरकत के कारण अंतरिक्ष यान क्रमांक एक का यांत्रिक हाथ बेकार हो गया। इस पर उसे पापा से मार भी खानी पड़ी:

प्रश्न 4 इस कहानी के अनुसार मंगल ग्रह पर कभी आम जन-जीवन था। वह सब नष्ट कैसे हो गया? इसे लिखो।

उत्तर- इस कहानी के अनुसार मंगल ग्रह के लोग भी कभी धरती के ऊपर सामान्य जीवन बिताया करते थे। परंतु धीरे-धीरे वातावरण में परिवर्तन आने लगा। इस परिवर्तन की जड़ में था सूरज में हुआ परिवर्तन । सूरज, जिसकी रोशनी और गर्मी से जीवों को पोषण मिला करता था। उसमें परिवर्तन आने से प्रकृति का संतुलन बिगड़ गया। प्रकृति के इस बिगड़े हुए रूप का सामना करने में वहाँ के पशु-पक्षी और पेड़-पौधे असमर्थ थे, इसलिए सभी एक-एक कर नष्ट होने लगे।

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्रश्न 5 कहानी में अंतरिक्ष यान को किसने भेजा था और क्यों?

उत्तर- कहानी में अंतरिक्ष यान को पृथ्वी ग्रह पर स्थित नेशनल ऐरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन ने मंगल ग्रह की मिट्टी के नमूने लाने के लिए भेजा था। पृथ्वी के वैज्ञानिक मंगल ग्रह की मिट्टी के अध्ययन के लिए बहुत उत्सुक थे। उन्हें इस अध्ययन से यह पता लगने की उम्मीद थी कि पृथ्वी की तरह मंगल ग्रह पर भी जीवों का अस्तित्व है या नहीं।

प्रश्न 6 नंबर एक, नंबर दो और नंबर तीन अजनबी से निबटने के कौन से तरीके सुझाते हैं और क्यों?

उत्तर- नंबर एक पर सुरक्षा की जिम्मेदारी थी। वह बताते हैं कि वे उन अंतरिक्ष यानों को जला कर खाक कर देने की क्षमता रखते हैं, पर इससे कोई जानकारी नहीं मिल पाएगी। वह यह सूचना भी देते हैं कि उन यानों में केवल यंत्र लगे हैं, कोई यात्री सवार नहीं है।

नंबर दो एक वैज्ञानिक हैं। वह आगाह करते हैं कि यान को नष्ट कर देने में एक खतरा यह भी है कि दूसरे ग्रह के लोगों को हमारा पता चल जाएगा, इसलिए हमें बस छुपकर उस पर नजर रखनी चाहिए।

नंबर तीन, जो सामाजिक व्यवस्था का काम देखते हैं, वे भी यही सलाह देते हैं कि अपने अस्तित्व को छिपाकर रखना ही बेहतर है। वह यह भी सुझाव देते हैं कि उन्हें अपनी धरती पर ऐसी व्यवस्था कर देनी चाहिए जिससे उन यंत्रों को यहाँ की कोई चीज अपने काम की न लगे। ऐसा होने से उन अनजान ग्रह के वासी अगली बार अधिक क्षमता वाले यान भेजने पर विचार नहीं करेंगे।

SHIVOM CLASSES 8696608541

कहानी से आगे प्रश्न (पृष्ठ संख्या 41)

प्रश्न 1

1. दिलीप एम. साल्वी
2. जयंत विष्णु नार्लीकर
3. आइज़क ऐसीमोव
4. आर्थर क्लार्क

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

ऊपर दिए गए लेखकों की अंतरिक्ष संबंधी कहानियाँ इकट्ठी करके पढ़ो और एक-दूसरे को सुनाओ। इन कहानियों में कल्पना क्या है और सच क्या है, इसे समझाने की कोशिश करो। कुछ ऐसी कहानियाँ छाँटकर निकालो, जो आगे चलकर सच साबित हुई हैं।"

उत्तर- छात्र ऐसी कहानियाँ खोज कर पढ़ने का प्रयास करें और यह जानने की कोशिश करें कि उनमें कितनी सच्चाई है।

प्रश्न 2 इस पाठ में अंतरिक्ष यान अजनबी बन कर आता है। 'अजनबी' शब्द पर सोचो। इंसान भी कई बार अजनबी माना जाता है और कोई जगह या शहर भी। क्या तुम्हारी मुलाकात ऐसे किसी अजनबी से हुई है? नए स्कूल का पहला अनुभव कैसा था ? क्या उसे भी अजनबी कहोगे? अगर हाँ तो 'अजनबीपन' दूर कैसे हुआ? इस पर सोचकर कुछ लिखो।

उत्तर- अजनबी उस इंसान या स्थान को कहते हैं, जिसे हम न जानते हों और जिसके बारे में हमें कुछ पता न हो। नया स्कूल भी अजनबी ही होता है, क्योंकि हमें वहाँ के अपने सहपाठियों और शिक्षकों के संबंध में कोई जानकारी नहीं होती है। धीरे-धीरे जब हम रोज उनसे मिलने लगते हैं उनके करीब जाते हैं तो उनसे हमारी पहचान होने लगती है। हमारा परिचय बढ़ता है और फिर कुछ भी अनजाना नहीं लगता है।

अनुमान और कल्पना प्रश्न (पृष्ठ संख्या 41)

प्रश्न 1 यह कहानी ज़मीन के अंदर की ज़िंदगी का पता देती है। ज़मीन के ऊपर मंगल ग्रह पर सब कुछ कैसा होगा, इसकी कल्पना करो और लिखो।

उत्तर- जैसा कि छोटू के पिता ने उसे बताया था, पहले उनके पूर्वज जमीन के ऊपर ही रहा करते थे। उनका जीवन वहाँ सामान्य था। बिना किसी प्रकार के यंत्र की सहायता के वे वहाँ रहा करते थे। इतना ही नहीं वहाँ पेड़-पौधे, पशु-पक्षी और अन्य जीव भी रहा करते थे। छोटू के पिता की इन बातों से लगता है कि मंगल ग्रह पर धरती के ऊपर का जीवन सामान्य रहा होगा। ठीक वैसे ही, जैसे हम पृथ्वी पर रहते हैं।

परंतु वातावरण में परिवर्तन आने के बाद से सब कुछ बदल गया। पेड़ पौधे और पशु पक्षी नष्ट हो गए। ठंड इतनी ज्यादा बढ़ गई कि आम लोगों का वहाँ रहना मुश्किल हो गया। लोगों ने यंत्रों की

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

सहायता से जमीन के नीचे धर बना लिए। अब तो बिना स्पेस सूट और खास जूतों के मंगल की धरती पर चलना-फिरना और साँस लेना भी मुश्किल है। एक सामान्य व्यक्ति के लिए वहाँ के परिवेश में रह पाना असंभव है।

प्रश्न 2 मान लो कि तुम छोटू हो और यह कहानी किसी को सुना रहे हो तो कैसे सुनाओगे? सोचो और 'मैं' शैली (आत्मकथात्मक शैली) में यह कहानी सुनाओ।

उत्तर- मैं उस सुरंगनुमा रास्ते में जाना चाहता था, जिसमें रोज पापा जाते थे, पर मुझे कोई जाने न देता। इसलिए एक दिन पापा का सिक्यूरिटी-पास हथियाकर मैं उस रास्ते में घुस गया। मैं आगे बढ़ा जा रहा था कि तभी न जाने कहाँ से कुछ सुरक्षा प्रहरी आ गए। उन्होंने मुझे पकड़ कर जबरदस्ती घर पहुंचा दिया। माँ तो मेरी धुनाई करने वाली थी, पर पापा ने मुझे बचा लिया। उन्होंने ही बताया कि वह सुरंगनुमा रास्ता मंगल की धरती के ऊपर जाता है। वहाँ एक आम आदमी बिना किसी सुरक्षा उपकरण के जीवित नहीं रह सकता। पहले हमारे पूर्वज वहीं रहा करते थे. लेकिन बाद में वातावरण में परिवर्तन आने से सब कुछ खतम हो गया और हमें धरती के नीचे घर बनाना पड़ा। यहाँ हमारा जीवन कुछ विशेष यंत्रों की सहायता पर टिका हुआ है। इन्हीं यंत्रों की देख-रेख का काम करने पापा उस सुरंगनुमा रास्ते से जाया करते हैं।

एक दिन पापा मुझे अपना कंट्रोल रूम दिखाने ले गए। मैं बहुत खुश था। उन्होंने वहाँ कंप्यूटर स्क्रीन पर मुझे एक अंतरिक्ष यान दिखाया। वह किसी अनजान जगह से आया था और हमारे मंगल पर उतर गया था। किसी को उसके बारे में सही जानकारी नहीं थी। बस सब उसे देखे जा रहे थे। उस यान से एक मशीनी हाथ जैसा कुछ निकला। वह शायद मंगल की मिट्टी निकालना चाहता था, पर मेरा ध्यान वहाँ नहीं था। मैं तो कॉन्सोल पैनल पर लगे रंग-बिरंगे बटन देख रहा था। वहाँ लगा लाल बटन कितना सुन्दर था। मैं खुद को रोक नहीं पाया और मैंने उसे दबा दिया। तभी कहीं से घंटी की आवाज आई और पापा ने मुझे जोर से एक थप्पड़ मारा। मैं रो पड़ा। मेरी समझ में कुछ नहीं आया। थोड़ी देर में मैंने उन्हें बात करते सुना। उस अंतरिक्ष यान का मशीनी हाथ खराब हो गया था। सब साँस रोक कर उसे देख रहे थे। थोड़ी देर में वह अपने आप ही ठीक हो गया। उसने मंगल की मिट्टी उठाई और वापस उड़ कर चला गया। किसी को पता नहीं चला कि वह कहाँ से आया था और उसने हमारी मिट्टी ले जाकर उसका क्या किया।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

अनुमान और कल्पना प्रश्न (पृष्ठ संख्या 41-42)

प्रश्न 1 'वार्तालाप' शब्द वार्ता + आलाप के योग से बना है। यहाँ वार्ता के अंत का 'आ' और 'आलाप' के आरंभ का 'आ' मिलने से जो परिवर्तन हुआ है, उसे संधि कहते हैं। नीचे लिखे कुछ शब्दों में किन शब्दों की संधि है

शिष्टाचार, श्रद्धांजलि, दिनांक, उत्तरांचल, सूर्यास्त, अल्पाहार

उत्तर-

शिष्टाचार	=	शिष्ट + आचार
श्रद्धांजलि	=	श्रद्धा + अंजलि
दिनांक	=	दिन + अंक
उत्तरांचल	=	उत्तर् + अंचल
सूर्यास्त	=	सूर्य + अस्त
अल्पाहार	=	अल्प + आहार

प्रश्न 2 कार्ड उठाते ही दरवाजा बंद हुआ।

1. यह बात हम इस तरीके से भी कह सकते हैं

जैसे ही कार्ड उठाया, दरवाज़ा बंद हो गया।

2. ध्यान दो कि दोनों वाक्यों में क्या अंतर है। ऐसे वाक्यों के तीन जोड़े तुम स्वयं सोचकर लिखो।

उत्तर-

1. शिक्षक के आते ही, शोर बंद हुआ।

   जैसे ही शिक्षक आए, शोर बंद हो गया।

2. चोर के जाते ही, पुलिस आई।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

जैसे ही चोर गया, पुलिस आ गई।

3. घर पहुँचते ही, बिजली चली गई।

जैसे ही घर पहुँचा, बिजली चली गई।

प्रश्न 3 छोटू ने चारों तरफ़ नज़र दौड़ाई।

छोटू ने चारों तरफ़ देखा।

उपर्युक्त वाक्यों में समानता होते हुए भी अंतर है। मुहावरे वाक्यों को विशिष्ट अर्थ देते हैं। ऐसा ही मुहावरा पहली पंक्ति में दिखाई देता है। नीचे दिए गए वाक्यांशों में 'नज़र' के साथ अलग-अलग क्रियाओं का प्रयोग हुआ है, जिनसे मुहावरे बने हैं। इनके प्रयोग से वाक्य बनाओ

नज़र पड़ना	नज़र रखना
नज़र आना	नज़रें नीची होना

उत्तर-

नज़र पड़ना	=	मेले में अचानक मेरी नज़र सोहन पर पड़ी।
नज़र आना	=	मेरी आँखों से आजकल कम नजर आता है।
नज़र रखना	=	परीक्षा हॉल में हर विद्यार्थी पर नजर रखनी पड़ती है।
नज़रें नीची होना	=	बेटे की करतूत से माता-पिता की नजरें नीची हो गईं।

प्रश्न 4 नीचे एक ही शब्द के दो रूप दिए गए हैं। एक संज्ञा है और दूसरा विशेषण है। वाक्य बनाकर समझो और बताओ कि इनमें से कौन से शब्द संज्ञा हैं और कौन से विशेषण

आकर्षक	-	आकर्षण
प्रभाव	-	प्रभावशाली
प्रेरणा	-	प्रेरक
प्रतिभाशाली	-	प्रतिभा

उत्तर-

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रभावशाली (विशेषण)	-	वह इस क्षेत्र के प्रभावशाली व्यक्ति हैं।
प्रेरणा (संज्ञा)	-	महान लोगों की कथाएँ हमें प्रेरणा देती हैं।
प्रेरक (विशेषण)	-	महान लोगों की कथाएँ प्रेरक होती हैं।
प्रेरक (विशेषण)	-	नेहा प्रतिभाशाली है।
प्रतिभा (संज्ञा)	-	नेहा में प्रतिभा है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)